हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सीएमएचओ का पदभार नहीं, आखिर किसका इंतजार!

डॉ. नरेश गुन्नाडे ज्वाइनिंग के लिए पहुंचे, फिर भी नहीं सुलझा मामला, आठ-दस दिन से जारी असमंजस ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था लड़खड़ाई, कब तक चलेगा प्रभारी से काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

जिले के स्वास्थ्य विभाग में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के पद को लेकर जारी असमंजस अब प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करने लगा है। हाईकोर्ट से स्थगन आदेश मिलने के बाद डॉ. नरेश गुन्नाडे छिंदवाड़ा पहुंचकर पदभार ग्रहण करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए सामने आए हैं। वहीं, जबलपुर के ज्वाइंट डायरेक्टर की ओर से भी उन्हें ज्वाइनिंग कराने के निर्देश जारी किए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद करीब आठ-दस दिन बीतने के बाद भी पदभार का मामला नहीं सुलझ सका है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब न्यायालय के आदेश के बाद संबंधित अधिकारी पदभार ग्रहण करने के लिए पहुंच चुके हैं, तो प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया पूरी होने में देरी क्यों हो रही है? सीएमएचओ जैसे महत्वपूर्ण पद को लेकर लंबे समय तक बनी रहने वाली यह स्थिति जिले की स्वास्थ्य सेवाओं और विभागीय कामकाज के लिहाज से भी उचित नहीं मानी जा सकती।न्यायालय के आदेश के बाद भी प्रक्रिया अधूरी क्यों?

सीएमएचओ के पद पर डॉ. अर्चना कैथवास वर्तमान में कार्यरत हैं, जबकि डॉ. नरेश गुन्नाडे पूर्व में इस पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, डॉ. कैथवास को प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बाद में डॉ. गुन्नाडे ने न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त किया और पदभार ग्रहण करने के लिए छिंदवाड़ा पहुंचे। इसके बाद जबलपुर ज्वाइंट डायरेक्टर की ओर से भी डॉ. गुन्नाडे को ज्वाइनिंग कराने के निर्देश जारी होने की जानकारी सामने आई। इसके बावजूद अब तक उन्हें पदभार नहीं मिलना प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है।यदि न्यायालय के आदेश और विभागीय निर्देश डॉ. गुन्नाडे को पदभार ग्रहण कराने के पक्ष में हैं, तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे आदेशों का विधिवत परीक्षण करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। आदेश के क्रियान्वयन में देरी के कारण स्पष्ट किए जाने चाहिए, ताकि स्थिति को लेकर बना असमंजस समाप्त हो सके।

कुर्सी के विवाद में क्यों उलझा विभाग?





सीएमएचओ का पद केवल एक अधिकारी की नियुक्ति या पदस्थापना तक सीमित नहीं है। इस पद से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन, अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशासनिक निर्णय, भुगतान संबंधी प्रक्रिया और विभिन्न शासकीय योजनाओं की निगरानी जुड़ी होती है। ऐसे में यदि पदभार को लेकर स्थिति लंबे समय तक स्पष्ट नहीं रहती, तो इसका असर विभागीय निर्णयों पर पड़ने की आशंका बनी रहती है। आठ-दस दिनों से जारी घटनाक्रम ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इस मामले का समाधान करने की जिम्मेदारी किस स्तर पर है और निर्णय लेने में देरी क्यों हो रही है।डॉ. गुन्नाडे की ज्वाइनिंग को लेकर यदि कोई प्रशासनिक या कानूनी अड़चन है, तो उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। वहीं, यदि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में कोई बाधा नहीं है, तो नियमानुसार प्रक्रिया पूरी करने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर साहब ले सकते है संज्ञान!

जिले में सीएमएचओ के पद को लेकर जारी इस घटनाक्रम पर अब जिला प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। कलेक्टर को संबंधित आदेशों, न्यायालय के निर्देशों और विभागीय पत्राचार की समीक्षा कराकर नियमानुसार स्थिति स्पष्ट करानी चाहिए। यदि आदेश के अनुपालन में अनावश्यक देरी हो रही है, तो उसके कारणों की भी पड़ताल होनी चाहिए।डॉ. अर्चना कैथवास के पास अन्य स्थानों का प्रभार होने की बात भी सामने आ रही है। महत्वपूर्ण यह है कि जिले के स्वास्थ्य विभाग में जिम्मेदारी को लेकर किसी तरह का असमंजस न रहे और प्रशासनिक कामकाज प्रभावित न हो।अब सवाल किसी अधिकारी की व्यक्तिगत दावेदारी का नहीं, बल्कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन और विभागीय व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का है। यदि डॉ. नरेश गुन्नाडे के पक्ष में जारी न्यायालयीन आदेश और विभागीय निर्देश प्रभावी हैं, तो सक्षम अधिकारियों को नियमानुसार पदभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। वहीं, किसी कानूनी बाधा की स्थिति में उसे स्पष्ट करते हुए आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग जैसे महत्वपूर्ण महकमे में लंबे समय तक बनी रहने वाली प्रशासनिक अनिश्चितता का अंत होना जरूरी है।

वेतन भुगतान और विभागीय कामकाज पर भी नजर

अक्टूबर माह समाप्ति की ओर है और नवंबर की शुरुआत में नियमित, संविदा सहित अन्य कर्मचारियों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया भी होनी है। दीपावली के मद्देनजर कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलने की उम्मीद है। ऐसे में सीएमएचओ पद को लेकर जारी असमंजस के बीच विभागीय भुगतान और अन्य प्रशासनिक कार्यों की स्थिति पर भी ध्यान देना जरूरी है।वेतन भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित समय पर पूरी हो, इसके लिए विभाग में जिम्मेदारी और अधिकारों को लेकर स्पष्टता आवश्यक है। कर्मचारियों को अधिकारियों के बीच चल रहे विवाद या प्रशासनिक असमंजस का खामियाजा नहीं भुगतना पड़े, यह सुनिश्चित करना विभागीय नेतृत्व की जिम्मेदारी है।

जीएम ऑफिस में सिविल विभाग का दोगला रवैया

कहीं 'ताजमहल' सी चमक, तो कहीं 'खंडहर' बना एरिया पर्सनल मैनेजर का कक्ष



हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

कोल इंडिया की अनुसांगिक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल), जो पूरे देश में अपने कोयला उत्पादन और मजबूत तंत्र के लिए विख्यात है, उसी पेंच क्षेत्र के सर्वोच्च प्रशासनिक केंद्र—महाप्रबंधक (जीएम) कार्यालय से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है , जो प्रबंधन की कार्यशैली पर कड़े सवाल खड़े करती है ।

पेंच क्षेत्र का जीएम ऑफिस , जहां से समूचे क्षेत्र की खदानों , हजारों खदान कर्मियों , मजदूरों और अधिकारियों के वेतन , सेवा शर्तों और प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन होता है , वहां अधिकारियों के कक्षों के रखरखाव में सिविल विभाग का दोहरा चरित्र खुलकर उजागर हो रहा है ।

जीएम ऑफिस परिसर में एक तरफ अकाउंट्स , सिविल और लेखा शाखा समेत अन्य विभागों के दफ्तर चमचमाती वीआईपी टाइल्स , आधुनिक इंटीरियर और 'ताजमहल' जैसी साजो - सज्जा के साथ सुशोभित हो रहे हैं , तो वहीं दूसरी ओर कोने में स्थित एरिया पर्सनल मैनेजर (APM) का दफ्तर उपेक्षा की पराकाष्ठा झेलते हुए कबाड़खाने और खंडहर में तब्दील हो चुका है।

दीवारों पर उगे पेड़, जर्जर फर्श

डिसमेंटल होने की कगार पर कक्ष जिस कक्ष में बैठकर एरिया पर्सनल मैनेजर पूरे पेंच क्षेत्र के कामगारों और अधिकारियों से जुड़े संवेदनशील मसलों, श्रम कल्याण और प्रशासनिक नीतियों का निपटारा करते हैं, उसकी दुर्दशा अत्यंत चिंताजनक है ।कक्ष की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं और अंदर झाड़-झंखाड़ उग आए हैं । जो साफ संकेत दे रहे हैं , कि इस भवन को ढहने या डिसमेंटल होने में अब ज्यादा वक्त नहीं लगेगा ।फर्श की टाइल्स और प्लास्टर उखड़ चुके हैं ।जिससे कक्ष में बैठना तक असहज और असुरक्षित हो गया है ।बाहर से आने वाले आगंतुकों और श्रमिक प्रतिनिधियों के बैठने का स्थान अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है

सिविल विभाग की 'जेब गर्म' नीति पर तीखा कटाक्ष

सवाल यह उठता है , कि जब जीएम ऑफिस के अन्य तमाम विभागों के रिनोवेशन , चकाचौंध और वीआईपी साज - सज्जा के लिए सिविल डिपार्टमेंट के पास भारी - भरकम बजट और अकूत धनराशि उपलब्ध रहती है , तो एरिया पर्सनल मैनेजर जैसे अति-महत्वपूर्ण विभाग के एक कमरे की मरम्मत और बुनियादी रखरखाव के लिए लाले क्यों पड़ जाते हैं?परिसर में यह चर्चा आम है , कि सिविल विभाग का ध्यान केवल उन्हीं निर्माण और मेंटेनेंस कार्यों की ओर रहता है , जहां फाइलों के फेरबदल और 'कागजी एस्टीमेट' के जरिए अपनी जेबें गर्म करने की भरपूर गुंजाइश हो । गैर-जरूरी साज-सज्जा पर पानी की तरह पैसा बहाने वाला सिविल महकमा इतने महत्वपूर्ण अधिकारी के कार्यस्थल की मरम्मत पर आंखें मूंदे बैठा है।

सौतेले व्यवहार से संदेह की आशंका

खदानों में खून-पसीना बहाने वाले मजदूरों और अधिकारियों की समस्याओं की पहली कड़ी कार्मिक विभाग होता है । ऐसे में कार्मिक विभाग के मुखिया के कक्ष को जानबूझकर नजरअंदाज करना न केवल पद की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि सिविल विभाग की घोर लापरवाही और पक्षपातपूर्ण नीति को भी उजागर करता है ।इतनी बड़ी मिनीरत्न कंपनी के मुख्य प्रशासनिक परिसर में यदि एक वरिष्ठ अधिकारी का कक्ष खंडहर जैसी भयावह स्थिति में रहे तो यह सीधे तौर पर पेंच एरिया प्रबंधन की प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है । अब देखना यह है , कि इस गंभीर बदहाली और दोहरे व्यवहार पर उच्च प्रबंधन संज्ञान लेकर सिविल विभाग की जवाबदेही तय करता है या फिर किसी अप्रिय हादसे का इंतजार किया जा रहा है ।

कांग्रेस ने निकाली आक्रोश रैली शासन, प्रशासन और पुलिस पर साधा निशाना



हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

विधानसभा क्षेत्र परासिया के चांदामेटा स्थित पंकज स्टेडियम में दशहरा उत्सव को लेकर उपजा विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक संग्राम में तब्दील हो चुका है । सत्ता के कथित दबाव में परासिया के कांग्रेस विधायक सोहन वाल्मीकि एवं एक अन्य साथी पर दर्ज हुई एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाते हुए सड़क पर उतरकर सत्ता पक्ष और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार हुंकार भरी ।कहावत 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' को चरितार्थ करते हुए पुलिस-प्रशासन की इस एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ गुरुवार को चांदामेटा बस स्टैंड से लेकर परासिया तक निकाली गई आक्रोश रैली में जनसैलाब उमड़ पड़ा । सैकड़ों की संख्या में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विशाल रैली निकाली और परासिया थाने पहुंचकर बाजार चौक में आमसभा आयोजित की । इसके पश्चात एडिशनल एसपी और अपर कलेक्टर पुष्पेंद्र निगम को ज्ञापन सौंपकर सत्ता पक्ष के इशारे पर हो रही दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया ।

एसडीएम पर बरसे विधायक

परासिया बाजार क्षेत्र में आयोजित विशाल सभा को संबोधित करते हुए विधायक सोहन वाल्मीकि ने प्रशासन को आड़े हाथों लिया । उन्होंने कहा कि जिस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को वह विगत 16 वर्षों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ आयोजित कराते आ रहे हैं , उसे प्रशासन और सत्ताधारी दल ने मिलीभगत कर विवादित बनाया और जबरन बंद करवा दिया। विधायक ने परासिया एसडीएम शुभम यादव की कार्यशैली पर सीधा प्रहार करते हुए आरोप लगाया , कि जिस प्रशासनिक अधिकारी को धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग देना चाहिए था , उन्होंने उपद्रवियों और सत्ता पक्ष का समर्थन करते हुए कार्यक्रम रुकवा दिया । विधायक ने ऐसे गैर-जिम्मेदार अधिकारी को परासिया एसडीएम पद से तत्काल हटाने की मांग की । ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और ज्योति डेहरिया सहित विवाद पैदा करने वाले भाजपा के 11 लोगों पर भी तत्काल मामला दर्ज किया जाए ।

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने भरी हुंकार

इस आंदोलन में परासिया विधायक के समर्थन में कांग्रेस का पूरा शीर्ष नेतृत्व एकजुट नजर आया । जुन्नारदेव विधायक सुनील उईके , सौंसर विधायक विजय चौरे , चौरई विधायक सुमित चौधरी , जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे , युवा कांग्रेस गोलू पटेल , पूर्व अध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी जैसे कद्दावर नेताओं ने मंच साझा कर प्रशासन को घेरा । नेताओं ने एक स्वर में कहा , कि पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सत्ता के दबाव में आकर असंवैधानिक रूप से विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहा है । जिसे कांग्रेस का एक भी कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा ।चांदामेटा से परासिया तक की मुख्य सड़कों पर गूंजते नारों और उमड़े जनसमूह ने यह स्पष्ट कर दिया है , कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी और सत्ता के इस कथित दुरूपयोग व एक तरफा पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ लड़ाई को और तेज करेगी ।

मुस्तैद रही पुलिस

शहर में ला एंड आर्डर की स्तिथि बनाए रखने के लिए पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद रही । पहली बार परासिया थाने का गेट बंद किया गया । जिससे आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए आनन - फानन में तैयार किया गया । गेट के सामने बेरीकेड्स भी लगाए गए , और उसके पीछे पुलिस बल खड़ा रहा , ताकि कोई भी आंदोलनकारी थाने के अंदर न जा सके । हालांकि रैली थाने के समीप बाजार क्षेत्र की ओर मुड़ गई । जहां आमसभा हुई । सभा स्थल में ही डी एस के नाम का ज्ञापन दिया गया । जिसे अपर कलेक्टर पुष्पेंद्र निगम ने मंच पर चढ़ कर लिया , इस दौरान डी एस पी भी मंच पर मौजूद रही । श्री पुष्पेंद्र ने मंचासीन नेताओं को उनकी बात कलेक्टर के रखने की बात कही । डी एस पी आकांक्षा उपाध्याय ने कहा , कि शिकायत पर जांच जारी है । जो सही होगा उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी ।

कहीं खर्चा-पानी मांगने तो कहीं रूट का हवाला देकर ले जाने से इनकार करने के आरोप

जिला अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा पर फिर मचा बवाल, प्रसूताओं को घर पहुंचने में परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिला चिकित्सालय में प्रसव के बाद महिलाओं को घर तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध 108 एंबुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि एंबुलेंस आवंटित होने के बावजूद प्रसूताओं और उनके परिजनों को घर पहुंचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कहीं चालक कथित तौर पर खर्चा-पानी मांगते हैं, तो कहीं दूरी अधिक होने और निर्धारित रूट का हवाला देकर मरीजों को ले जाने से इनकार कर दिया जाता है। ऐसे में प्रसव के बाद महिलाओं और नवजात शिशुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एंबुलेंस आवंटित, फिर भी नहीं मिल रही सुविधाजिला अस्पताल में प्रसव के बाद महिलाओं को घर तक पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन शिकायतों के अनुसार, कुछ मामलों में एंबुलेंस आवंटित होने के बाद भी मरीजों को घर तक पहुंचाने में आनाकानी की जाती है। परिजनों का आरोप है कि कुछ चालक खर्चा-पानी देने की बात कहते हैं, जबकि कुछ यह कहकर जाने से मना कर देते हैं कि संबंधित स्थान उनके रूट में नहीं आता या दूरी अधिक है।यदि ये शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो यह स्वास्थ्य सेवाओं की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रसव के बाद महिला और नवजात को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। ऐसे में परिवहन सुविधा के लिए परिजनों को भटकना पड़े, तो परेशानी और बढ़ जाती है।

जिम्मेदार अधिकारी ने नहीं उठाया फोन

मामले में 108 एंबुलेंस सेवा के जिला मीडिया प्रभारी एवं प्रबंधन से जुड़े अधिकारी प्रमोद वासनिक से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके चलते एंबुलेंस आवंटन, रूट संबंधी नियमों और शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था को लेकर उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। 108 सेवा की ओर से प्राप्त एक संदेश में बताया गया कि संबंधित मांग के आधार पर **CG**04**NW**2319 नंबर की एंबुलेंस उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई थी। संदेश में एंबुलेंस का मोबाइल नंबर 6269720355 भी दिया गया। इसके अलावा एंबुलेंस की स्थिति जानने के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग लिंक साझा किया गया।संदेश में यह भी बताया गया कि एंबुलेंस के लिए व्हाट्सऐप नंबर 6269695935 पर संपर्क किया जा सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और शिकायत के लिए निःशुल्क हेल्थ हेल्पलाइन 104 पर कॉल करने की जानकारी भी दी गई।हालांकि, एंबुलेंस उपलब्ध कराने से संबंधित संदेश से यह स्पष्ट नहीं होता कि प्रसव के बाद महिलाओं को घर पहुंचाने में आ रही सभी समस्याओं का समाधान हो गया है।जांच हो, ताकि मरीजों को न होना पड़े परेशानस्वास्थ्य विभाग और 108 सेवा प्रबंधन को एंबुलेंस आवंटन, रूट और मरीजों की शिकायतों की जांच करनी चाहिए। यदि चालक पैसे मांगने या बिना उचित कारण मरीजों को ले जाने से इनकार करने के दोषी पाए जाते हैं, तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।सवाल यह है कि एंबुलेंस आवंटित होने के बाद भी यदि मरीजों को सुविधा नहीं मिलती, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? विभाग को व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि प्रसूताओं और नवजात शिशुओं को घर पहुंचने के लिए परेशान न होना पड़े।

दीवार फांदकर निकले दो छात्र फरार, एक सप्ताह में लगातार दो बार हो चुकी है घटना, अभिभावक चिंतित

एकलव्य विद्यालय में लगातार भाग रहे बच्चे, प्रबंधन बना लापरवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जुन्नारदेव में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विद्यालय परिसर की दीवार फांदकर दो नाबालिग विद्यार्थियों के बाहर निकलने और ट्रेन से छिंदवाड़ा पहुंचने की घटना ने विद्यालय प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गनीमत रही कि जुन्नारदेव पुलिस और साइबर सेल की तत्परता से दोनों विद्यार्थियों को कुछ ही घंटों में सकुशल खोज लिया गया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आवासीय विद्यालय में रह रहे बच्चों की सुरक्षा के इंतजाम कितने प्रभावी हैं और परिसर से विद्यार्थियों के बाहर निकलने की जानकारी समय पर क्यों नहीं मिल पाती। पूर्व में भी इसी विद्यालय से एक छात्र के लापता होने की घटना सामने आने की जानकारी के बाद अब प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग उठना स्वाभाविक है।




दीवार फांदकर निकले विद्यार्थी, दिनभर छिंदवाड़ा में घूमते रहे

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों विद्यार्थी मंगलवार सुबह विद्यालय परिसर की दीवार फांदकर बाहर निकल गए और ट्रेन से छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पहुंच गए। बताया गया कि दोनों दिनभर छिंदवाड़ा में घूमते रहे और बाद में पातालकोट एक्सप्रेस से नवेगांव की ओर लौट रहे थे। विद्यार्थियों के लापता होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू की। एसडीओपी सोनम पाटिल के मार्गदर्शन में पुलिस और साइबर सेल की टीम ने तकनीकी सहायता से उनकी लोकेशन का पता लगाया। संयुक्त प्रयासों के चलते दोनों विद्यार्थियों को नवेगांव रेलवे स्टेशन के पास सुरक्षित खोज लिया गया। इसके बाद उनके माता-पिता एवं अभिभावकों को बुलाकर काउंसलिंग की गई और समझाइश देने के बाद दोनों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस की तत्परता ने टाली अनहोनी की आशंका

मामले में पुलिस की सक्रियता और साइबर सेल की तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण साबित हुई। एसडीओपी सोनम पाटिल के मार्गदर्शन में नवेगांव थाना प्रभारी राजन उईके, उपनिरीक्षक मुकेश डोंगरे, प्रधान आरक्षक जयप्रकाश, आरक्षक संतोष धुर्वे तथा साइबर सेल की टीम ने समन्वय के साथ कार्रवाई की। समय रहते दोनों विद्यार्थियों का पता लगने से उन्हें सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया जा सका। पुलिस की इस तत्परता के बीच विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवाल भी महत्वपूर्ण हैं। आखिर ऐसी स्थिति बनने से पहले विद्यार्थियों की निगरानी और उपस्थिति व्यवस्था कितनी प्रभावी थी, इसकी जांच जरूरी है।

कहीं भविष्य में बड़ी अनहोनी का कारण न बन जाए सुरक्षा में चूक

दोनों विद्यार्थियों के सकुशल मिलने से राहत जरूर मिली है, लेकिन इस घटना को केवल बच्चों की वापसी तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। यदि सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी है और समय रहते उसे दूर नहीं किया गया, तो भविष्य में गंभीर स्थिति उत्पन्न होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विद्यालय का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करनी चाहिए।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना, फिर भी सवाल बरकरार

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 17 नवंबर 2025 को भी इसी विद्यालय से कक्षा सातवीं के एक छात्र के लापता होने की घटना सामने आई थी। अब दो विद्यार्थियों के एक साथ विद्यालय परिसर से बाहर निकलने की घटना ने पूर्व की घटना के बाद किए गए सुरक्षा सुधारों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि पहले भी ऐसी स्थिति बनी थी, तो संबंधित अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई थी या नहीं। यदि सुधार किए गए थे, तो वर्तमान घटना किन परिस्थितियों में हुई? इन सवालों का जवाब जांच के माध्यम से सामने आना चाहिए।

प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, जवाबदेही तय करना जरूरी

आवासीय विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा केवल औपचारिक व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। परिसर की चारदीवारी, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश-निकास पर निगरानी और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। दो विद्यार्थियों का दीवार फांदकर बाहर निकल जाना इन व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जांच की जरूरत को सामने लाता है।

सौंसर के 'संजीवनी क्लिनिक'में नहीं मिल रहा इलाज!

23 साल बाद भी 100-बेड अस्पताल में एमडी डॉक्टर, सोनोग्राफी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

एक तरफ जहां सौसर अस्पताल को 100 बेड का दर्जा मिलने के बावजूद पिछले 23 वर्षों में एमडी डॉक्टरों, पर्याप्त स्टाफ और संसाधनों, सोनोग्राफी ईसीजी मशीन की मुकम्मल व्यवस्था नहीं हो पाई है, वहीं दूसरी ओर शासन द्वारा लाखों रुपए खर्च कर वार्ड क्रमांक 11 स्थित पुराने अस्पताल परिसर में शुरू की गई 'संजीवनी क्लिनिक' भी बदइंतोमी की भेंट चढ़ गई है।

तीन महीने से अधिक का समय गुजर जाने के बावजूद इस क्लिनिक में मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। मध्य प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग की मंशा थी कि आम नागरिकों, गरीबों और जरूरतमंदों को सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के बड़े अस्पतालों के चक्कर न काटने पड़ें। इसके तहत मरीजों को घर के पास ही मुफ्त ओपीडी जांच, बीपी-शुगर की दवाएं, परामर्श, गर्भवती महिलाओं की जांच, बच्चों का टीकाकरण, परिवार कल्याण व किशोर स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी थीं। साथ ही गंभीर मरीजों की पहचान कर उन्हें बड़े अस्पतालों में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी थी।



जिम्मेदारों को नहीं चिंता

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस क्लीनिक में दो महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। परंतु, यहां पदस्थ स्टाफ नर्स को रामाकोना स्वास्थ्य केंद्र में अटैच कर दिए जाने के चलते क्लीनिक में ताले की स्थिति बनी हुई है, जिससे मरीजों के उपचार में भारी बाधा आ रही है। सामाजिक कार्यकर्ता आकाश सहारे का कहना है कि संजीवनी क्लिनिक बंद रहने के कारण आम लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं पाने के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गरीब मरीजों को इलाज के लिए 3 किलोमीटर दूर मुख्य सरकारी अस्पताल तक जाने में न सिर्फ अतिरिक्त समय गंवाना पड़ रहा है, बल्कि उनका धन भी खर्च हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि प्रशासनिक अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग को इस ओर तत्काल ध्यान देकर क्लिनिक को जल्द से जल्द पूरी क्षमता के साथ शुरू करना चाहिए, ताकि जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।

अनिल ठाकरे उपाध्यक्ष, सहसचिव अजीज कुरैशी बने

सौंसर। निजी स्कूली छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा सुरक्षा और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से 'अशासकीय शाला संघ सौंसर' की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर संघ का पुनर्गठन करते हुए नई कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से घोषणा की गई। बैठक में अनंत फसाटे को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। वहीं अनिल ठाकरे एवं सदाशिव खंडाईत को उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक विनोद तिवारी, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष संदीप अग्निहोत्री, जयंत गुरु, अनिल खाबोलकर की विशेष उपस्थिति मे सम्पन्न हुई है। बैठक के दौरान सौंसर तहसील क्षेत्र के लगभग 32 निजी शाला संचालकों ने हिस्सा लिया और संघ की भावी कार्ययोजनाओं तथा शैक्षणिक सुधारों पर गहन विचार-विमर्श किया। उपस्थित संचालकों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे निजी शालाओं की समस्याओं को मुखरता से उठाएंगे, संचालकों के बीच आपसी तालमेल मजबूत करेंगे। बैठक के दौरान संघ की नवगठित कार्यकारिणी में संरक्षकः जयंत गुरु एवं अनिल खंबोलकर, वही अध्यक्षः अनंत फसाटे,उपाध्यक्षः अनिल ठाकरे एवं सदाशिव खंडाईत,सचिवः प्रशांत वाडेकर, सहसचिव अजीज कुरैशी,कोषाध्यक्षः जितेन्द्र सिंह ठाकुर, मीडिया प्रभारी शालिक गोहत्रे,हर्षल काले,वही कार्यकारिणी में रवि कोठेकर, राजेंद्र निमकर, प्रभाकर बंजारी आदि का समावेश है। इस दौरान स्कूल संचालक नीलेश ठाकरे, रजनी ठाकुर,आशीष ठाकरे,नरेश आकोटकर,आशीष जायसवाल, उपस्थित थे।



विहिप छिंदवाड़ा विभाग की निर्णायक बैठक आयोजित,

हितचिंतक अभियान का शंखनाद!

केंद्रीय मंत्री केशव राजू का मिला मार्गदर्शन, छिंदवाड़ा-परासिया में सदस्यता लक्ष्य निर्धारित



हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के छिंदवाड़ा विभाग कार्यालय में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चली इस बैठक का शुभारंभ भारत माता के पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। विभाग मंत्री नकुल विश्वकर्मा जी ने संगठन की आचार पद्धति के अनुसार बैठक की भूमिका प्रस्तुत की।

बैठक में विहिप के केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय गौरक्षा विभाग के सह-प्रमुख केशव राजू जी भाई साहब का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की टोली निर्माण करने तथा निर्धारित जिम्मेदारियों के साथ कार्यों का विस्तार करने पर जोर दिया।

हितचिंतक अभियान की बनेगी व्यापक कार्ययोजना

बैठक में प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित होने वाले हितचिंतक सदस्यता अभियान के लिए छिंदवाड़ा एवं परासिया जिलों के लक्ष्य निर्धारित किए गए। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रखंडवार बैठकों की तिथियां तय की गईं तथा पालक एवं प्रभारियों को दायित्व सौंपे गए।

सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार पर जोर

केशव राजू जी ने "हिंदवः सोदरा सर्वे" अर्थात सभी हिंदू सहोदर भाई हैं, की भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता बढ़ाने तथा धर्मांतरण की चुनौतियों के प्रति सजग रहकर जमीनी स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता बताई। बैठक में महाकौशल प्रांत संगठन मंत्री जितेन्द्र वर्मा जी, प्रांत सह-मंत्री प्रदीप गुप्ता जी, विभाग मंत्री नकुल विश्वकर्मा जी, विभाग सह-मंत्री नितेश जी सहित छिंदवाड़ा एवं परासिया जिलों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन पर कार्यकर्ताओं ने हितचिंतक अभियान को सफल बनाने और केंद्रीय मार्गदर्शन के अनुरूप संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।



नौकर ही निकला मालिक के घर का चोर, पुलिस ने किया गिरफ्तार, जप्त किए चोरी के जेवरात

छिंदवाड़ा। कपड़ा व्यवसायी प्रार्थी प्रदीप जैन पिता स्व. श्री ज्ञानचंद जैन निवासी पंचशील कालोनी छिंदवाड़ा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घर में रखे सोने चांदी के जेवरात व नगद रूपये को दिनांक 02/10/2026 से दिनांक 24/10/2026 के बीच कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अप.क्र.- 825/26 धारा- 305ए,331(3) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के मार्गदर्शन मे नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक चौधरी एवं थाना प्रभारी कोतवाली आशीष कुमार धुर्वे के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन कर अपराध के संबंध में दिशा निर्देश दिये। जो उक्त घटना में संदेह के आधार पर प्रार्थी की दुकान के कर्मचारी सुमित उर्फ सुम्मी पिता रामप्रसाद यादव निवासी सनराईज स्कूल के पास लालबाग थाना कोतवाली छिन्दवाडा से सघन पूछताछ की गई जो घटना को स्वीकार करते हुए प्रार्थी के घर से सोने एवं चांदी के जेवरात व नगद रूपये चुराना बताया, जो आरोपी की निशानदेही पर चोरी का मशरूका बरामद किया जाकर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किये गया है।

गिरफ्तार आरोपीः सुमित उर्फ सुम्मी पिता रामप्रसाद यादव निवासी सनराईज स्कूल के पास लालबाग थाना कोतवाली छिन्दवाडा।

बरामद संपत्ति : 02 नग सोने के हार, 14 जोड़ी चाँदी की पायल, 06 जोड़ी चाँदी की बिछिया, 01 नग हाथ की मेहँदी, 01 नग चांदी का करधन,

कुल बरामद संपत्ति कीमती 5,50,000/- रूपये बरामद किए।

आज लगेगा बेरडी में भक्ति आस्था का महाकुंभ

1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

ग्राम बेरडी में आयोजित भव्य एवं दिव्य 'बेरडी मध्ये पंढरी अखंड हरिनाम सप्ताह महोत्सव' के अवसर पर पूरी बेरडी नगरी भगवान श्री विट्ठल-रुक्मिणी की भक्ति, अध्यात्म और अलौकिक चैतन्य में सराबोर हो गई। आज गुरुवार को भव्य गोपाल काला, दही हांडी कार्यक्रम एवं विशाल महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अलावा देश के कोने-कोने से 1 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जो भगवान श्री पंढरीनाथ और त्रिमूर्ति का आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। बुधवार को वारकरी संप्रदाय के प्रतिष्ठित एवं ओजस्वी प्रवचनकार ह.भ.प. श्री जगन्नाथ महाराज पाटील (मुंबई) की सुमधुर कीर्तन सेवा ने उपस्थित जनसैलाब को भावविभोर कर दिया।महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सर्व समाज एवं अनेक परिवारों के द्वारा संत भोजन का आयोजन किया गया है। बुधवार को बेरडी-रंगारी मार्ग पर स्वर्गीय राजू ठाकुर परिवार की ओर से विशाल संत भोजन का भव्य आयोजन किया गया। आयोजकों से मिली जानकारी के अनुसार, इस आयोजन में लगभग 8 से 9 हजार संतों, भक्तों और श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड़ ने की पूजा-अर्चना



महोत्सव के सातवें दिन प्रातःकाल जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड़ एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मोहड़ ने परिवार सहित श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से भगवान की मूर्तियों का अभिषेक, पूजन-अर्चन एवं आरती की। इस दौरान श्री मोहड़ ने कहा श्रप्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित कर मन को असीम शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा मिली है। ऐसे भव्य आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, समृद्ध भक्ति परंपरा और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

अमन सोनी बने स्वर्णकार समाज के सह सचिव



जुन्नारदेव। नगर स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष ओपी सोनी की अनुशंसा पर अमन सोनी को सोनी समाज का सह सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर संतोष सोनी, दीपक सोनी, योगेश सोनी सहित समाज के अन्य सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

निजी अस्पतालों और दूसरे शहरों का करना पड़ रहा रुख

दंत चिकित्सक की नियुक्ति, जरूरी संसाधन नदारद



हरिभूमि न्यूज कटंगी। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी दूर करने के दावों के साथ मध्यप्रदेश में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमपीपीएससी के माध्यम से चयनित 233 डेंटल सर्जनों की नियुक्ति की है। चयनित चिकित्सकों को प्रदेश के विभिन्न जिला अस्पतालों, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पदों के आधार पर पदस्थ किया गया है। इस नियुक्ति प्रक्रिया के तहत बालाघाट जिले के कटंगी तहसील मुख्यालय स्थित वीर शिरोमणि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी दंत चिकित्सक डॉ. रवि चौधरी की पदस्थापना हुई है। चिकित्सक ने 5 अक्टूबर को अस्पताल में जॉइनिंग भी कर ली, लेकिन नियुक्ति के बाद सामने आई हकीकत सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े कर रही है। दरअसल, सरकार ने कटंगी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दंत चिकित्सक की नियुक्ति कर दी, लेकिन जिस विभाग में मरीजों के दांतों का उपचार होना है, वहां आवश्यक मशीनें और उपकरण ही उपलब्ध नहीं हैं। अस्पताल में न तो डेंटल चेयर है, न एयर कंप्रेसर और न ही दंत चिकित्सा के लिए जरूरी एक्स-रे मशीन। ऐसे में दंत चिकित्सक की मौजूदगी के बावजूद मरीजों को फिलहाल वास्तविक उपचार का लाभ नहीं मिल पा रहा है। चिकित्सक मरीजों को देखकर उनकी समस्या समझ सकते हैं और जरूरी सलाह दे सकते हैं, लेकिन उपचार नहीं कर पा रहे है। वैसे तो सरकारी अस्पताल में दंत चिकित्सक की पदस्थापना निश्चित रूप से स्थानीय लोगों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आई थी। दंत मरीजों को लगा था कि अब दांतों में दर्द, मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सफाई, कैविटी और अन्य दंत समस्याओं के उपचार के लिए निजी क्लीनिकों या बालाघाट और तुमसर जैसे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। लेकिन अस्पताल में आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण यह उम्मीद फिलहाल पूरी होती दिखाई नहीं दे रही है। खैर, जब शासन ने दंत चिकित्सक की नियुक्ति करने का निर्णय लिया, तब अस्पताल में दंत चिकित्सा सेवाएं शुरू करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करनी थी। लेकिन ऐसा ना करते हुए पहले पदस्थापना की गई और अब चिकित्सक को संसाधनों का इंतजार करना पड़ रहा है। बता दें कि दांतों की सफाई, सड़न की रोकथाम, फिलिंग, दांत निकालने और रूट कैनाल जैसे उपचारों के लिए विशेष मशीनों और उपकरणों की जरूरत होती है। इनमें ऑटोमैटिक डेंटल चेयर विद लाइट और स्पिटून, एयर कंप्रेसर, सक्शन यूनिट, डेंटल एक्स-रे मशीन, ऑटोक्लेव मशीन और दांतों की सफाई के लिए स्केलर मशीन प्रमुख हैं। इसके अलावा माउथ मिरर, प्रोब, ट्विजर, फोरसेप्स सेट, एलीवेटर, फिलिंग किट और रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी) किट जैसे उपकरण भी आवश्यक हैं। जानकारी के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन के स्तर से आवश्यक उपकरणों की मांग वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई है।

वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी खोजने का कर रहे प्रयास

सरंडी में भालू दिखाई देने से ग्रामीणों में भय की लहर

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।



वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरंडी में मंगलवार की सुबह वन्य प्राणी भालू के दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पिछले कुछ दिनों से ग्राम सावंगी व सरंडी में भालू के विचरण से इन क्षेत्रों के ग्रामीण परेशान व भयभीत है। मंगलवार की सुबह लगभग 6 बजे ग्राम सरंडी के ग्रामीण पूरनलाल खोब्रागड़े ने अपने मकान के सामने से भालू को जाते हुए देखा, तो उसने अपने पड़ोसी ग्रामीणों व कोटवार को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद कोटवार ने वन विभाग को लगभग 8 बजे सूचना दी। कोटवार की सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी ग्राम सरंडी पहुँचे। जहाँ पहुँच कर उन्होंने भालू की तलाश प्रारंभ की, लेकिन शाम तक उनको भालू नहीं मिला है और उसकी तलाश जारी है। ग्राम सरंडी में भालू के दिखाई देने की खबर मिलने के बाद वारासिवनी वन परिक्षेत्र के रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन भी स्थल पर पहुँचे और फिर सीसीएफ गौरव चौधरी भी ग्राम सरंडी पहुँचे।

वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण लगातार दो दिनों से भालू को खोजने का प्रयास कर रहे है, लेकिन उसकी स्थिति का अभी तक पता नहीं चला है। कुछ लोगों का कहना है कि वह पूरनलाल खोब्रागड़े के घर के पीछे की झाडिय़ों में छुपा हुआ है, लेकिन वह किसी को भी दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं कुछ ग्रामीणों का मानना है कि भालू जंगल की ओर चला गया है। ग्रामीण पूरनलाल खोब्रागडे ने बताया कि सुबह लगभग 6 बजे वह पेशाब जाने के लिए उठे, तो भालू उनके सामने की ओर से सडक़ को क्रास कर पीछे बाथरुम की ओर चला गया और फिर वहॉ से झाडिय़ों की ओर चला गया। उसे बहुत सारे ग्रामीणों ने देखा और भगाने का प्रयास किया गया। भालू के दिखने की जानकारी उन्होंने अपने कोटवार बड़े भाई को दी। जिन्होंने लगभग 8 बजे वन विभाग को इसकी खबर दी थी। ग्रामीण श्यामराव शेंडे ने बताया कि सुबह भालू दिखाई दिया था और वह झाडिय़ों में विचरण करते हुए मकान के पीछे के हिस्से में चला गया था, लेकिन अब वह दिखाई नहीं दे रहा है। फिलहाल तो वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी दो दिनों से सरंडी में भालू को ढूंढने का प्रयास कर रहे है। लेकिन भालू किसी को भी दिखाई नहीं दे रहा है। जिससे ग्रामीणों में भय बना हुआ है।

इनका कहना है

वनकर्मियों ने रात्रि में भी सर्चिंग अभियान चलाया था, लेकिन भालू का पता नहीं चल पाया है। बुधवार को ड्रोन के माध्यम से पता लगाने का प्रयास किया गया। लेकिन फिर भी उसका पता नहीं चला है। उसके बावजूद भी वनकर्मी ग्रामीणों की रक्षा करने के लिए ग्राम में मौजूद है।

छत्रपाल सिंह जादौन
वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी।

बहेला पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24.314 किलो गांजा जब्त

ओडिशा निवासी आरोपी के कब्जे से करीब 2.43 लाख रुपये का गांजा बरामद, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को किया गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज लांजी। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बहेला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से 24.314 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 43 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 को थाना बहेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मुरसाडोंगरी तिराहे पर एक व्यक्ति अवैध रूप से बिक्री करने के उद्देश्य से गांजा रखे हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति की जांच की। इस दौरान उसके पास रखे पीले रंग के बोरे में कुछ संदिग्ध वस्तु मिली।पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में बोरे की तलाशी ली तो उसमें खाकी रंग के टेप से लिपटे गांजे के 11 पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में रखे गांजे का कुल वजन 24.314 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 43 हजार रुपये आंकी गई। पुलिस ने गांजे को जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान सीमांचल मलिक, निवासी ओडिशा के रूप में हुई। पुलिस द्वारा गांजा रखने के संबंध में वैध लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन आरोपी ऐसा कोई लाइसेंस नहीं बता सका। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।बहेला थाने में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 77/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव और एसडीओपी लांजी मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी बहेला निरीक्षक शैलेन्द्र सक्सेना, सहायक उपनिरीक्षक सुजनि बिज मामन, प्रधान आरक्षक 732 सनक सैय्याम, आरक्षक 548 सुनील कुमार, आरक्षक 541 शुभम मिश्रा तथा आरक्षक 556 जितेन्द्र सेन की सराहनीय भूमिका रही।

नक्सल प्रभावित गांवों में पहुंचे कलेक्टर, मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

14 दिवसीय विशेष निरीक्षण अभियान के तहत स्कूलों और आंगनबाड़ियों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज लांजी। बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा 14 दिवसीय विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा पेयजल, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। विशेष रूप से आदिवासी एवं बैगा समुदाय के परिवारों तक शासकीय योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।इसी क्रम में बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह ने लांजी क्षेत्र के नक्सल प्रभावित ग्राम सायर, संदूका, टेमनी, सतोना और केराडेही का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और गांवों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष बिजली, सभा मंच, स्कूल और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं से संबंधित मांगें रखीं। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों को समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।



निरीक्षण के दौरान ग्राम सायर में आंगनबाड़ी भवन की जर्जर स्थिति सामने आई। भवन की हालत को देखते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण करवाने की बात कही। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं, उनकी देखभाल और पोषण व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

नक्सल प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी निरीक्षण का प्रमुख विषय रही। ग्रामीणों ने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए उन्हें लांजी सिविल अस्पताल तक जाना पड़ता है। दूरी अधिक होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए कलेक्टर ने ग्राम टेमनी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में आश्वासन दिया। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मदद मिलने की उम्मीद है।

पुलिस प्रशासन के सहयोग से आयोजित हुआ युवा सृजन कार्यक्रम

बालाघाट । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में 27 अक्टूबर 2026 को उच्च शिक्षा विभाग एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में युवा सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेडक्रॉस, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, यातायात नियमों एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में थाना प्रभारी किरण वरकड़े ने महिला सुरक्षा, थाना प्रभारी योगेंद्र मेरावी ने यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा तथा शत्रुघ्न पटले ने साइबर अपराधों से बचाव और ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

खबर संक्षेप

संकल्प दीक्षित को मिली नई जिम्मेदारी, शासकीय महाविद्यालय घंसौर के बने विधायक प्रतिनिधि

हरिभूमि न्यूज सिवनी। लखनादौन विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेंद्र सिंह बाबा ने युवा कांग्रेस के सक्रिय एवं कर्मठ नेतृत्वकर्ता संकल्प दीक्षित को शासकीय महाविद्यालय घंसौर का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

संकल्प दीक्षित लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वे लगातार तीसरी बार निर्विरोध युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चुने गए हैं। इससे पूर्व वे जिला कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग में जिला उपाध्यक्ष एवं युवा कांग्रेस विधानसभा प्रभारी, लखनादौन की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

नवीन दायित्व के तहत संकल्प दीक्षित महाविद्यालय की बैठकों में विधायक का प्रतिनिधित्व करेंगे तथा आवश्यक प्रस्तावों और महाविद्यालय से जुड़े विषयों पर समन्वय स्थापित करने में भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति को संगठन में उनकी सक्रियता एवं संघर्ष की पहचान के रूप में देखा जा रहा है। युवा साथियों और समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, सिवनी में कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत विद्यार्थियों की रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप उपयुक्त करियर विकल्पों की पहचान करने के उद्देश्य से एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश सरवैया के संरक्षण में तथा कैरियर प्रभारी प्रो. लक्ष्मी मेश्राम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। परिचर्चा में प्रो. लक्ष्मी मेश्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विभिन्न करियर विकल्पों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी की रुचि, योग्यता, कौशल एवं क्षमता अलग-अलग होती है। अतः विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व एवं रुचि के अनुरूप करियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों, उच्च शिक्षा की संभावनाओं तथा करियर चयन के समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करने तथा अपनी क्षमताओं को पहचानकर भविष्य के लिए सही निर्णय लेने हेतु प्रेरित किया।इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर संबंधी सही मार्गदर्शन प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें अपने भविष्य के प्रति जागरूक बनाना था।कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अर्पणा अवस्थी, डॉ. समिता शर्मा, डॉ राशिद खान, श्रीमती प्रियंका चौरसिया एवं सुश्री वर्षा पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिकाधिक संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही है।

सिवनी में गरमाया नागपुर रोड की ऐतिहासिक सड़क बंद करने का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।



सिवनी शहर के छिंदवाड़ा चौक से नागपुर रोड जाने वाली ऐतिहासिक सर्विस रोड को बंद करने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। बीते दिनों विद्वान अधिवक्ता नवीन आहूजा ने इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ आवाज उठाई थी, और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे के बाद आज पूरा मामला गर्मा गया है। आज सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक, गरीब, बुजुर्ग, महिलाएं, बैलगाड़ी वाले और व्यापारी सडक़ पर उतर आए और इस सडक़ को तुरंत प्रारंभ करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। सडक़ पर खड़े होकर प्रशासन की इस मनमानी के खिलाफ दोनों दलों के कार्यकर्ता जनता का पक्ष रख रहे हैं। पीछे जाम लगा हुआ है, सैकड़ों गाडिय़ां फंसी हुई हैं, और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।

कांग्रेस के राजा बघेल ने कहा की ये सर्विस रोड जो है नीचे की बिना किसी को जानकारी दिए बंद कर दी गई है। डीआरएम से बात करने पर डीआरएम कहते हैं कि रोड बंद नहीं होगी, एमपीआरडीसी कहते हैं हम भी बंद नहीं कर रहे हैं और रोड वास्तव में बंद है। गरीबों को, विधवाओं, मतलब जो बुजुर्ग हैं, बैलगाड़ी वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और ये एक गलत तरीका है। इसके विरोध में आज सभी के साथ स्थानीय नागरिक जमा हुए हैं। राजा बघेल ने कहा कि रेलवे कह रहा है हमने बंद नहीं की, एमपीआरडीसी कह रहा है हमने बंद नहीं की, और जमीन पर सडक़ बंद पड़ी है। तो फिर बंद किसने की? यह सवाल आज हर सिवनी वासी पूछ रहा है। राजा बघेल ने आगे कहा-यह फ्लाई ओवर सिवनी के विकास के लिए बना है, विनाश के लिए नहीं। ऊपर फ्लाई ओवर से बड़े वाहन, ट्रक, बसें निकलेंगी, यह अच्छी बात है। लेकिन नीचे की जो ऐतिहासिक सडक़ है, वह 100 साल पुरानी है। वह आम आदमी की लाइफ लाइन है। उसको बंद करना सीधे-सीधे गरीब विरोधी कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस सडक़ से रोज सब्जी बेचने वाली विधवा महिलाएं जाती हैं। बुजुर्ग पैदल चलकर अस्पताल जाते हैं। बैलगाड़ी वाले किसान अपना अनाज मंडी ले जाते हैं। छोटे-छोटे स्कूली बच्चे साइकिल से स्कूल जाते हैं। अब आप उनको कह रहे हो कि 40 फीट ऊंची लोहे की सीढिय़ां चढ़ो, फिर फ्लाई ओवर पार करो, फिर उतरो। क्या एक बूढ़ी अम्मा, एक दिव्यांग, एक गर्भवती महिला इतनी सीढ़ी चढ़ पाएगी?

प्रशासन की दोहरी नीति से जनता में आक्रोश

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि -बिना नोटिस, बिना जनसुनवाई के रातों-रात बैरिकेड लगाकर सडक़ बंद कर दी गई। जब लोग डीआरएम नागपुर से मिले तो डीआरएम ने कहा कि रेलवे को इस सडक़ से कोई लेना-देना नहीं है, हम बंद नहीं कर रहे। जब एमपीआरडीसी के अफसरों से बात की तो वे भी पल्ला झाड़ रहे हैं। तो फिर जनता को परेशान कौन कर रहा है? ठेकेदार अपनी मनमर्जी से सडक़ बंद कर रहा है और प्रशासन मौन है।

मामला क्यों है गंभीर?

यह सडक़ बंद होने से उस पार जाने वाले लोगों से संपर्क टूट जाएगा। लोगों को 3 किलोमीटर का चक्कर लगाकर आना पड़ेगा, जिससे पेट्रोल, समय दोनों बर्बाद होगा। व्यापारियों का कहना है कि ग्राहक आना बंद हो गए हैं, दुकानदारी ठप हो गई है। आपात स्थिति में एंबुलेंस तक इस सडक़ से नहीं आ पाएगी। यदि प्रशासन ने 48 घंटे में सडक़ नहीं खोली तो नागरिकों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव और हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाने की चेतावनी दी है। यह लड़ाई अब सिर्फ एक सडक़ की नहीं, बल्कि सिवनी के स्वाभिमान और गरीब आदमी के हक की लड़ाई बन गई है।

फुटबॉल ग्राउंड के प्रबंधक द्वारा छोटे-छोटे बच्चों से प्रवेश शुल्क की वसूली

अभिभावकों ने इस मामले को लेकर जिला प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिला जिला फुटबॉलखेल ग्राउंड इन दोनों खिलाडिय़ों के लिए समस्या बनते जा रहा है, लंबे समय से पदस्थ यहां पर जिला पंचायत में रहे एम के नेमा द्वारा ग्राउंड के मेंटेनेंस के नाम से छोटे-छोटे बच्चों से राशि वसूल की जा रही है जिसको लेकर अभिभावकों ने रोष व्यक्त किया है, अभिभावकों का कहना है कि इस ग्राउंड से होकर टेबल टेनिस खेलने के लिए आने वाले बच्चों से टेबल टेनिस के नाम पर कोच हेतु 1200 की राशि ली जाती है, यही बच्चे जब स्टेडियम के प्रवेश द्वार से टेबल टेनिस ग्राउंड के लिए जाते हैं तो प्रवेश शुल्क के नाम पर?350 की राशि प्रवेश के लिए अतिरिक्त वसूल की जाती है जिसको लेकर अभिभावकों ने रोज व्यक्त किया है जो बच्चे टेबल टेनिस खेलने जाते हैं उन्हें ग्राउंड मैं खेले जाने वाले खेलों से कोई सरोकार नहीं होता ऐसी स्थिति में उनसे अतिरिक्त 350 रुपए की राशि लिया जाना कहां तक उचित नहीं है इस संबंध में स्टेडियम के प्रभारी एम के नियमों का कहना है कि शासन की ओर से इस ग्राउंड के मेंटेनेंस के लिए अतिरिक्त राशि नहीं आती है ऐसी स्थिति में यहां से ली जाने वाली राशि से ही स्टेडियम का मेंटेनेंस किया जाता है। अभिभावकों का कहना है कि टेबल टेनिस खेलने आने वाले यह बच्चे इतने छोटे हैं कि इन्हें नियम अनुसार निशुल्क ही आने-जाने की अनुमति प्रदान किया जाना चाहिए जबकि ग्राउंड में विभिन्न गतिविधियों के नाम से आने वाले खिलाडिय़ों से शुल्क शुल्क के नाम पर राशि लिया जाना न्यायोचित है ना की इन छोटे-छोटे बच्चों से राशि लिया जाना उचित है।

इस संबंध में अभिभावकों ने कहा है कि अगर इस समस्या का निदान शीघ्र नहीं किया गया तो बी जिला पुलिस अधीक्षक एवं नवागत कलेक्टर के समक्ष भी अपनी बात रखेंगे और इन बच्चों के हित में उचित कदम उठाए जाने के लिए ज्ञापन प्रेषित करेंगे।

नवांकुर संस्था-सतयोगी सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट द्वारा प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।



मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की योजना अंतर्गत नवांकुर संस्था सतयोगी सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के तत्वाधान में विकासखंड सिवनी ग्राम पंचायत बंडोल में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी हेतु एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत प्रस्फुटन समितियों को सशक्त बनाना शासकीय जन कल्याणकारी योजनाओं की समझ विकसित करना और गांव के सर्वांगीण विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना रहा प्रशिक्षण सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञों एवं जन अभियान परिषद के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष व सचिव को समिति के सुचारू संचालन बैठक आयोजन अभिलेख कार्यवाही पंजी एवं कैश बुक, संधारण तथा पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन, का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता अभियान एवं नशा मुक्ति जैसे सामाजिक विषयों पर गांव-गांव में जन जागरूकता फैलाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया सतयोगी सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रस्फुटन समिति ग्रामीण विकास की धुरी है इस प्रशिक्षण से समितियां और अधिक ऊर्जा व दक्षता के साथ अपने-अपने ग्रामों में विकास कार्यों को गति दे सकेगी कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां के अध्यक्ष सचिव तथा समाजसेवी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे अंत में संस्था द्वारा सभी उपस्थितियों सदस्यों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन अभियान परिषद से जिला समन्वयकराजेंद्र चौधरी सर एवं नवांकुर संस्था से सीमा गढ़पाले मैडम जितेंद्र लिल्हारे संस्था कार्यकर्ता जन अभियान परिषद से परामर्शदाता शोभा बघेल कविता बेले मैडम एवं ष्ठ्यष्ठस्त्रश्च की छात्रा अनुश्री यादव, आरती बघेल ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से नीलम चंद्रवंशी, धीरज यादव, अनुरंजन सिंह बघेल ग्राम पंचायत सरपंच एवं रोजगार सहायक एवं ग्रामीण जन की उपस्थिति रही।

जिला कलेक्टर पहुंचकर महाकौशल राष्ट्रीय पार्टी ने ज्ञापन सौंपा



हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जबलपुर से बरगी धूमा लखनादौन, छपारा, सिवनी, खवासा नागपुर नई रेल लाइन बनाई जाए। 2. सिवनी में आवारा पशुओं का मुख्य मार्ग में बैठने के कारण कई घटनाएं फोर व्हीलर टू व्हीलर की हो रही है पशुओं को उनके मालिक को सौंपा जाए। 3. सिवनी जिले में मेडिकल कॉलेज बनने के उपरांत भी छिंदवाड़ा नागपुर जबलपुर जाना पड़ता है अतः मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती की व्यवस्था एवं गंभीर बीमारियों में इलाज की अभिलंब व्यवस्था की जाए। 4. सिवनी में कोई भी बड़ी फैक्ट्री ना होने के कारण बेरोजगार युवाओं को दूसरे शहर जाना पड़ता है आता है उद्योग स्थापित किए जाएं 5. सिवनी जिले में शासकीय कार्यालय में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर कुछ कर्मचारी अधिकारी,नौकरी कर रहे उनके प्रमाण पत्रों की तत्काल जांच की जाए । उपरोक्त कार्यक्रम में निम्न पदाधिकारी मौजूद थे। जिला अध्यक्ष सीताराम भारद्वाज एडवोकेट नीलकमल अवधिया जी, सियाराम नागवंशी छपारा कुशल सिंह हजारिया (पूर्व क्षेत्र अध्यक्ष) लक्ष्मण कौशले नगर महामंत्री गोरेलाल नागेश (ब्लॉक अध्यक्ष लखनादौन) राजेंद्र मनकवाडे (संयोजक) बरघाट महबूब खान , सेक्टर अध्यक्ष गंगेरूआ श्रीमती लक्ष्मी राऊत ब्लाक अध्यक्ष बरघाट चंद्र प्रकाश नागवंशी ब्लॉक अध्यक्ष कुरई ताराचंद शिववेदी जिला संयोजक सिवनी एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीयन के लिए नई व्यवस्था लागू

जन्म एवं मृत्यु के विलंबित पंजीयन की प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित एवं सत्यापन आधारित बनाने के उद्देश्य से जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रावधान 01 अक्टूबर 2026 से प्रभावशील हो गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

संशोधन के तहत एक वर्ष से अधिक विलंब से होने वाले जन्म एवं मृत्यु के पंजीयन के लिए प्राधिकारी की व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार, घटना के एक वर्ष बाद लेकिन दो वर्ष के भीतर जन्म अथवा मृत्यु की सूचना रजिस्ट्रार को दिए जाने पर पंजीयन संबंधित क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट, अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर किया जाएगा। आदेश जारी करने से पहले जन्म अथवा मृत्यु की प्रामाणिकता का सत्यापन भी किया जाएगा। जिले में उक्त कार्यवाही के लिए समस्त तहसीलदारों को अधिकृत किया गया है।

इसी प्रकार, घटना के दो वर्ष बाद जन्म अथवा मृत्यु की सूचना दिए जाने पर पंजीयन केवल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जा सकेगा। संबंधित प्राधिकारी द्वारा पंजीयन की अनुमति देने से पहले घटना की सत्यता का सत्यापन किया जाना भी अनिवार्य किया गया है।

बिना पंजीयन अस्पताल, क्लीनिक एवं पैथोलॉजी लैब संचालन पर होगी कठोर वैधानिक कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सिवनी ने जिले के समस्त निजी चिकित्सालयों, चिकित्सा क्लीनिकों एवं पैथोलॉजी लैब संचालकों को निर्धारित कानूनी प्रावधानों एवं विभागीय नियमों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अभिलेखों के अनुसार जिले में वर्तमान में 03 पैथोलॉजी लैब, 21 निजी चिकित्सालय एवं 75 चिकित्सा क्लीनिक पंजीकृत हैं। इसके बावजूद बिना पंजीयन स्वास्थ्य संस्थानों का संचालन तथा पंजीकृत क्लीनिकों में निर्धारित अनुमति एवं मानकों के विपरीत ऑपरेशन थियेटर और पैथोलॉजी लैब संचालित किए जाने की स्थिति संज्ञान में आई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रुजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम, 1973 एवं इसके अंतर्गत लागू नियमों के अनुसार संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों का पंजीयन कराना तथा निर्धारित शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। किसी चिकित्सा क्लीनिक का पंजीयन होने मात्र से उसमें ऑपरेशन थियेटर अथवा पैथोलॉजी लैब संचालित करने की स्वतः अनुमति प्राप्त नहीं हो जाती। इन सेवाओं के संचालन के लिए संबंधित नियमों के अनुसार आवश्यक अनुमति, निर्धारित पात्रता एवं मानकों का पालन करना अनिवार्य है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं जांच दल गठित किया गया है। गठित दल द्वारा समय-समय पर निजी चिकित्सालयों, चिकित्सा क्लीनिकों एवं पैथोलॉजी लैब का औचक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान संस्थानों के पंजीयन प्रमाणपत्र, आवश्यक दस्तावेज, स्वीकृत सेवाओं तथा निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के सभी संबंधित संस्थान संचालकों को चेतावनी दी है कि वे बिना पंजीयन अथवा आवश्यक अनुमति के किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य सेवा का संचालन न करें। नियमों के विपरीत संचालित गतिविधियों को तत्काल बंद कर नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करें तथा संस्थान में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही सुनिश्चित करें।

विभागीय निरीक्षण के दौरान अनियमितता अथवा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अधिनियम एवं लागू कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। उल्लंघन की प्रकृति के अनुसार संस्थान का संचालन बंद कराने, पंजीयन संबंधी कार्रवाई करने तथा अन्य वैधानिक कदम उठाए जा सकते हैं। निर्देशों की अवहेलना करने वाले संस्थान संचालक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखना तथा मरीजों को सुरक्षित एवं नियमानुसार उपचार उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। जनस्वास्थ्य एवं मरीजों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही सेवाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन 31 अक्टूबर तक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, सिवनी के अंतर्गत परियोजना संचालक आत्मा द्वारा कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा योजनांतर्गत विभिन्न श्रेणियों में सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए कृषकों का चयन किया जाना है। पुरस्कार के लिए वर्ष 2025-26 में रबी एवं खरीफ फसल के दौरान कृषकों द्वारा अपनाई गई उन्नत तकनीक, उपज एवं उत्पादकता सहित कृषि क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर कृषकों का चयन किया जाएगा।

विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए प्रत्येक विकासखण्ड से विभिन्न संकायों में चयनित पांच कृषकों को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए विभिन्न संकायों में चयनित 10 कृषकों को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

सोलर ड्रायर तकनीक से जनजातीय कृषकों की आय बढ़ाने की पहल

जिले के 300 अनुसूचित जनजाति कृषक परिवारों को मिलेगा लाभ, नवंबर 2026 से परियोजना प्रारंभ करने की तैयारी

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषक परिवारों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना के माध्यम से सोलर ड्रायर तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष परियोजना प्रस्तावित की गई है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा आदिवासी वित्त एवं विकास निगम की उक्त योजना के माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है।

जिला उद्यानिकी अधिकारी डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार ने बताया कि प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत संपूर्ण सिवनी जिले के 300 अनुसूचित जनजाति कृषक परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना का क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर समूह बनाकर किया जाएगा। इसकी प्रस्तावित अवधि तीन माह निर्धारित की गई है तथा नवंबर 2026 से इसका प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत जिले में 300 सोलर ड्रायर स्थापित किए जाने प्रस्तावित हैं। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से कृषक फल, फूल, सब्जियों एवं औषधीय उत्पादों को सूर्य की ऊर्जा से सुखाकर उनका प्रसंस्करण एवं संरक्षण कर सकेंगे। इससे कृषक अपनी उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकेंगे तथा बाजार में कम मूल्य मिलने की स्थिति में उपज को तत्काल बेचने की मजबूरी से भी राहत पा सकेंगे। उचित समय पर उत्पादों का विपणन कर कृषक बेहतर मूल्य प्राप्त करने की दिशा में प्रयास कर सकेंगे।

सोलर ड्रायर तकनीक से कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने, उपज की बर्बादी कम करने तथा उत्पादों के मूल्य संवर्धन में सहायता मिलेगी। इससे कृषक परिवारों को अपनी उपज का बेहतर उपयोग करने के साथ ही अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर प्राप्त होंगे। विशेष रूप से फल, सब्जियों एवं औषधीय उत्पादों के संरक्षण और प्रसंस्करण से कृषि आधारित आजीविका को मजबूती मिलेगी।

शासकीय महाविद्यालय बरघाट में जन सुरक्षा–युवा सृजन संवाद कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।



शासकीय महाविद्यालय बरघाट में उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में जन सुरक्षा–युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून, संविधान, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल संरक्षण, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना और उन्हें सजग, जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं फूलमालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बरघाट श्री जितेन्द्र जाट, प्रभारी नियंत्रण कक्ष निरीक्षक श्री ओमेश्वर ठाकरे एवं प्रशिक्षक श्री कमलेश टेम्भरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए जन सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रभारी नियंत्रण कक्ष निरीक्षक श्री ओमेश्वर ठाकरे ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति के लिए साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपना ओटीपी, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध संदेश अथवा अनजान संपर्क से प्राप्त लिंक पर बिना जांच किए क्लिक न करें और ऑनलाइन लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली एवं आपातकालीन सहायता सेवाओं की उपयोगिता से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बरघाट श्री जितेन्द्र जाट ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कानून एवं संविधान में निहित कर्तव्यों की जानकारी भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, नशे से दूर रहने तथा सामाजिक शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

हरिभूमि

सतपुड़ा भूमि

तिरोड़ी | बोनकटा | कंटगी | बैहर | वारासिवनी | हटा

जबलपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

वारासिवनी विधायक विक्की पटेल पर अपमानजनक टिप्पणी

कांग्रेसी नेता के बिगड़े बोल - मंच से अपने ही विधायक को पागल कहा, जूते मारो 20

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में कांग्रेस नेता रामकुमार नगपुरे का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे विधायक विवेक पटेल को पागल कहते और उन्हें जूते की माला पहनाने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। नगपुरे ने भाजपा के पूर्व विधायक गुड्डा जायसवाल की तारीफ भी की।

वीडियो में नगपुरे कहते हैं कि उन्होंने खैरलांजी के लिए सभामंच मांगा था और गुड्डा जायसवाल ने दो सभामंच दिए। उन्होंने विधायक विवेक पटेल से लंबी गली की सड़क बनवाने की मांग की थी, लेकिन सड़क पूरी नहीं हुई। नगपुरे के मुताबिक, पंचायत को सड़क टुकड़ों में बनानी पड़ी।

नगपुरे ने सड़क के भूमिपूजन के बोर्ड को लात मारकर गिराने की बात कही। उन्होंने लोगों से कहा कि विधायक से पूछें कि उन्होंने खैरलांजी के लिए क्या किया। अगर विधायक पांच लाख यहां और छह लाख वहां देने की बात कहें, तो उनसे कागज मांगें। नगपुरे ने कहा कि ऐसा न करने पर विधायक को जूते की माला पहनाएं; अगर लोग ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्हें बुलाकर लाएं और वे 20 जूते मारेंगे। नगपुरे ने कहा कि खैरलांजी से कांग्रेस को पहले 300 से कम वोट मिलते थे, लेकिन उन्होंने पार्टी को 2 हजार वोट दिलाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान खटाखट वोट डालने की बात कही गई, लेकिन अब खैरलांजी पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनके मुताबिक, इलाके की 30 पंचायतें बेकार पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि





खैरलांजी के लोग विधायक से विकास कार्य चाहते हैं, भले ही वे अपने ठेकेदार से काम कराएं, लेकिन झूठे वादे न करें। नगपुरे ने अपने बयान पर कायम रहते हुए कहा कि उन्होंने इलाके के लोगों और विकास के लिए यह बात कही है। उन्होंने बताया कि सड़क के लिए उन्होंने 15 लाख रुपए देने की बात कही थी लेकिन एक रुपए नहीं दिए। पंचायत फंड से टुकड़ों में रोड का निर्माण कराया गया। आपको बताते चले कि कांग्रेस नेता रामकुमार नगपुरे, पहले समाजवादी पार्टी से दो बार और बसपा से एक बार चुनाव लड़ चुके है। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उन्हें, कांग्रेस में लेकर आए थे। यही नहीं बल्कि कमलनाथ, रामकुमार नगपुरे के बुलावे में खैरलांजी के जनपद मैदान में वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा का लोकार्पण करने भी पहुंचे थे। वर्तमान में वे कांग्रेस में होने के साथ ही किसान गर्जना संगठन से जुड़े है और पार्टी में लूपलाइन में चल रहे है। बीते दिनों कांग्रेस की एक नेत्री से फोन पर अभद्र बातचीत को लेकर उनका नाम आया था।

करंट से तेंदुए का शिकार : खाल उतारकर पंजा काटे, छह आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

परियोजना परिक्षेत्र उकवा की घटना, रेंजर, डिप्टी रेंजर एवं बीट गार्ड को शोकॉज नोटिस जारी





हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में एक तेंदुए का शिकार किया गया। शिकारियों ने उसे बिजली का करेंट लगाकर मारा, फिर कुल्हाड़ी से पंजे काटे और खाल उधेड़ दी। खाल को घटनास्थल के पास एक गड्ढे के पानी में डुबोकर रखा गया था।

वन विभाग की टीम को घटना की जानकारी कई दिन बाद मिली। घटना 22 अक्टूबर को नारंगी-खांडापार के बीच हिर्री बीट के कक्ष क्रमांक 1815 के घने जंगल में सामने आई। तेंदुए के साथ एक सियार का शव भी मिला, जिसकी मौत भी करंट से हुई थी। वन विभाग ने शवों को चार से पांच दिन पुराना बताया है।

इस मामले में नारंगी निवासी रतन मेरावी, अनिल पंद्रे, शिवप्रसाद उइके, धीरसिंग मरकाम, सुनील उइके और हीरासिंग मरकाम सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से खाल, पंजे और करेंट लगाने वाले तार जब्त किए गए। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है।

इस मामले में वन विकास निगम लामता परियोजना के संभागीय प्रबंधक सुंदर निवेदन एम ने परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी अजय कामड़े, डिप्टी रेंजर चुरन मड़ावी और बीटगार्ड अमर सिंह पंद्रे को नोटिस जारी कर उनसे तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

15 अक्टूबर को वन परिक्षेत्र बिरसा दमोह सामान्य के शिकारी टोला जंगल में 6 वर्षीय गर्भवती मादा बायसन की नाले की पार में गिरने से मौत हो गई।17 अक्टूबर को वारासिवनी की बड़ी नहर में दो नर बायसन मृत अवस्था में बहकर आए। 24 अक्टूबर को परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा में कंजई टोले से गुजरने वाली नहर में एक वर्षीय मादा तेंदुआ शावक का शव मिला और अब परियोजना परिक्षेत्र उकवा के कक्ष क्रमांक 1815 स्थित हिर्री में 6 वर्षीय नर तेंदुए का करंट से शिकार किया गया। उसी जगह एक सियार भी मृत मिली।

जिले में पटाखों की बिक्री और उपयोग को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

30 नवंबर तक प्रभावशील रहेगा आदेश, प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों पर प्रतिबंध; अस्पतालों और अन्य शांत क्षेत्रों के 100 मीटर के दायरे में पटाखे चलाना प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिले में दीपावली पर्व के दौरान वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा जनस्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आदित्य सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 28 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक संपूर्ण बालाघाट जिले की सीमा में प्रभावशील रहेगा।

इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार, जिले में ऐसे पटाखों के क्रय-विक्रय, भंडारण, परिवहन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिनके निर्माण में बेरियम साल्ट तथा एंटीमनी, लिथियम, मरकरी, आर्सेनिक, लेड और स्ट्रोंटियम क्रोमेट जैसे रसायनों का उपयोग किया गया है। लड़ी वाले पटाखों तथा ऐसे पटाखों के उपयोग पर भी प्रतिबंध रहेगा, जिनकी विस्फोट की तीव्रता स्थल से 04 मीटर की दूरी पर 125 डेसीबल से अधिक है।

पटाखों की ई-कॉमर्स कंपनियों अथवा निजी व्यक्तियों द्वारा ऑनलाइन बिक्री तथा गैर-लाइसेंसी बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। अस्पताल, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्र, शैक्षणिक संस्थान, सिविल न्यायालय और धार्मिक स्थलों सहित घोषित शांत क्षेत्रों के 100 मीटर के दायरे में पटाखे चलाना प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा आयुध निर्माणियों, पेट्रोल पंप, गैस गोदाम, पटाखा बाजारों तथा अन्य ज्वलनशील स्थानों पर भी पटाखे चलाने की अनुमति नहीं होगी।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक पटाखा एवं विस्फोटक लाइसेंसधारी को प्रतिबंधित पटाखों के निर्माण, क्रय-विक्रय, परिवहन और भंडारण से संबंधित नियमों का पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हीरापुर में महिला की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, लूट के इरादे से वारदात को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र के हीरापुर में 8 अक्टूबर को हुई खेलनबाई तुरकर की हत्या के मामले में पुलिस ने मॉयल कर्मी रूपेश मरकाम (21) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने लूट के इरादे से महिला की हत्या की थी। उसकी पत्नी की डिलीवरी पर 40 से 50 हजार रुपए खर्च हुए थे। पुलिस का कहना है कि इसी खर्च के लिए उसने हत्या के बाद महिला के जेवर लूटे और बाद में बोनकट्टा में चोरी भी की। इस चोरी की जांच के दौरान पुलिस आरोपी तक पहुंची।

एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि 8 अक्टूबर को खेलनबाई तुरकर हीरापुर में तालाब के पास अपनी भैंसों की रखवाली कर रही थीं। वह वहां अकेली थीं। इसी दौरान मॉयल तिरोड़ी के ब्लास्टिंग विभाग में



अस्थायी कर्मचारी रूपेश मरकाम पास में शौच के लिए आया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने मवेशियों के गले में बंधी घंटियों की आवाज सुनी और पास जाकर महिला को अकेला देखा। इसके बाद उसने खेत की मेड़ पर फेंसिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले खूंटे से महिला के सिर के पीछे और माथे पर हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी खेलनबाई का मंगलसूत्र और सोने की एक बाली लेकर भाग गया। पुलिस ने हत्या की जांच शुरू की, लेकिन आरोपी तक पहुंचने में 21 अक्टूबर को बोनकट्टा में हुई चोरी से मदद मिली। 21 अक्टूबर को बोनकट्टा में एक खाली मकान में चोरी हुई। लोगों को देखकर चोर जेवर लेकर भाग गया, लेकिन अपनी बाइक वहीं छोड़ गया। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बोनकट्टा में चोरी करने के साथ ही हीरापुर में खेलनबाई की हत्या करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पत्नी की डिलीवरी घटना से करीब एक सप्ताह पहले महाराष्ट्र के एक निजी अस्पताल में हुई थी। इलाज पर 40 से 50 हजार रुपए खर्च हुए थे। पुलिस का कहना है कि इसी खर्च की जरूरत के चलते आरोपी ने वारदातों को अंजाम दिया।

श्री यादव प्रशासक अपेक्स बैंक भोपाल लेंगे जेएसके बैंक बालाघाट की बैठक

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित अपेक्स बैंक भोपाल के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव का एक दिवसीय कार्यक्रम के चलते 01 नवम्बर 2026 को बालाघाट पहुंचेगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए अभिनव सिंह बघेल सीईओ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट ने बताया कि श्री महेन्द्र सिंह यादव प्रशासक अपेक्स बैंक भोपाल 01 नवम्बर को 10.30 बजे बालाघाट पहुंचेगे तथा 12.30 बजे बलराम महोत्सव कार्यक्रम कृषि उपज मंडी बालाघाट में सम्मिलित होंगे तत्पश्चात दोपहर 4 बजे से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट मुख्यालय में बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में बैंकिंग कार्यो की समीक्षा बैठक लेंगे तथा 02 नवम्बर को बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री बघेल ने बताया कि श्री यादव के बालाघाट दौरे को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के छात्र गिरीश पारधी को मिलेगी 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति

'भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता' में प्रदेश में 51वां तथा जिले में प्रथम स्थान पर रहे गिरीश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के तत्वावधान में आयोजित 'भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता' में सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के कक्षा 12वीं गणित संकाय के छात्र गिरीश पारधी ने प्रदेश में 51वां तथा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्हें मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवंबर 2026 को एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों से विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस निःशुल्क ऑनलाइन प्रतियोगिता में गिरीश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र की सफलता पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक श्री मोहित डहेरिया, प्राचार्य श्री हुमराज पटले, कक्षा शिक्षिका श्रीमती अर्चना कानतोड़े एवं समस्त शिक्षकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राचार्य श्री पटले ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, अनुशासन और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से जोड़ना है, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ संस्कारों में भी समृद्ध बनें। गिरीश पारधी की यह उपलब्धि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में कैरियर जागरूकता का हुआ सफल आयोजन



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय, मलाजखंड में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ.एम. के. धुर्वे की अध्यक्षता में कॅरियर जागरूकता एवं लक्ष्य निर्धारण विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. संदीप कुमार गेडाम और डॉ. राजेश बोरकर उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लक्ष्यों को निर्धारित करने और करियर के प्रति जागरूक रहने के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया।

महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो.स्वाति सिंह के द्वारा इससे पूर्व भी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यानों का आयोजन किया गया व्यक्तित्व विकास विषय परः इस सत्र में प्रो.राजेंद्र पिवहरे , डॉ.मनोज मरावी और प्रो. सचिन राम शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

डिजिटल एवं AI कौशल (Digital & AI Skills) विषय पर इस सत्र में प्रो. स्वाती सिंह, प्रो.विशाल दमाहे ने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल के महत्व से अवगत कराया।इन सभी आयोजनों का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इन कार्यक्रमों में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

काव्य संग्रह पापा का हुआ विमोचन : श्री दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में अतिथियों के हस्ते हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। स्थानीय श्री दिगंबर जैन मंदिर वारासिवनी के पावन प्रांगण में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय शिक्षक एवं साहित्यकार दीपेश कुमार जैन द्वारा रचित मौलिक काव्य संग्रह पापा का विधिवत लोकार्पण समाज के प्रबुद्ध अतिथियों एवं वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

समारोह में दिगंबर जैन समाज पंचायत कमेटी अध्यक्ष आकाश सिंघई एवं उपाध्यक्ष दीपक जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठ जनों ने दीप प्रज्जवलन एवं गुरुवर के चित्रों के समक्ष नमन कर संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर समाज के महिला एवं पुरुष वर्ग ने बढ़ चढक़र भाग लिया तथा नवप्रकाशित कृति की सराहना करते हुए लेखक को बधाई व मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

काव्य संग्रह के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में जहां मानवीय मूल्य और पारिवारिक संवेदनाएं क्षीण हो रही हैं, वहीं दीपेश कुमार जैन की यह कृति युवा पीढ़ी को पिता के संघर्ष, त्याग, अनुशासन और वात्सल्य का बोध कराने वाली एक प्रेरक रचना है। वक्ताओं ने कहा कि माता-पिता के प्रति कृतज्ञता ही सच्ची पूजा और धर्म का आधार है।



विमोचन के उपरांत आयोजित काव्य संध्या में रचनाकारों द्वारा मर्मस्पर्शी काव्य पाठ किया गया। इस दौरान संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के संयम, त्याग और साधना पर केंद्रित भावपूर्ण वंदना एवं काव्य पंक्तियों की प्रस्तुति ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। गुरुवर के साये और जीवन दर्शन पर प्रस्तुत कविताओं ने उपस्थित श्रोताओं की आंखें नम कर दीं तथा तालियों की गडग़ड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दीपेश जैन ने जानकारी दी कि काव्य संग्रह पापा केवल भौतिक प्रिंट रूप में ही नहीं, बल्कि देश विदेश के पाठकों के लिए प्रमुख ई.कॉमर्स प्लेटफार्म अमेजान व फ्लिपकार्ड पर भी पेपर बैक संस्करण के रूप में सुलभ करा दी गई है। पाठक घर बैठे इन ऑनलाइन माध्यमों से पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं।

कटोरी,भंडारबोड़ी, फुलचर, कुम्हली एवं मानेगांव के किसानों को विधायक गौरव पारधी के प्रयास से मिला सिंचाई का पानी

पानी की मांग को लेकर अनशन पर बैठे किसानों ने विधायक गौरव सिंह पारधी के सामने किया अनशन समाप्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

खैरलांजी तहसील क्षेत्र के कटोरी, भंडारबोड़ी, फुलचर, कुम्हली एवं मानेगांव में निर्धारित शेड्यूल के बावजूद नहरों से सिंचाई का पानी नहीं पहुंचने के कारण किसान आमरण अनशन पर बैठ गए थे। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने संबंधित विभागों से लगातार समन्वय किया और अन्य नहरों के माध्यम से इन गांवों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की व्यवस्था कराई।पानी की व्यवस्था होने के बाद गत रात्रि विधायक श्री पारधी अनशन स्थल पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की। उन्होंने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद किसानों को पानी पिलाकर उनका आमरण अनशन समाप्त कराया।

पहली बार इस समय पर राजीव सागर बांध से मिल रहा सिंचाई का पानी: इस बार राजीव सागर बांध से ऐसे समय में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जब पूर्व में इस अवधि में पानी मिलना संभव नहीं हो पाता था। किसानों की जरूरत को देखते हुए विधायक श्री पारधी ने विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर सिंचाई व्यवस्था सुचारु बनाने पर जोर दिया, जिससे किसानों को अपनी फसलों के लिए पानी मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है।

पांच विधानसभा क्षेत्र तक सिंचाई की आपूर्ति, अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना चुनौती: भीमगढ़ बांध से केवलारी, सिवनी, लालबर्रा, परसवाड़ा और वारासिवनी सहित पांच विधानसभा क्षेत्रों की सिंचाई आवश्यकताएं जुड़ी हैं। ऐसे में सभी क्षेत्रों के किसानों तक निर्धारित शेड्यूल के अनुसार पानी पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद कटोरी सहित पांच गांवों के किसानों को राहत देने के लिए वैकल्पिक नहरों से पानी की व्यवस्था की गई। अब किसानों की अपेक्षा है कि आगे भी उन्हें तय समय-सारणी के अनुसार सिंचाई के लिए पानी मिलता रहे।

हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी : विधायक गौरव पारधी

विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने कहा कि किसानों की फसल और उनकी आजीविका की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक गांव और नहर के अंतिम छोर तक स्थित खेतों को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सिंचाई का पानी मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस एवं सिंचाई विभाग के साथ समन्वय कर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को सिंचाई के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाते रहेंगे।अनशन समाप्त होने के बाद किसानों ने राहत व्यक्त की और विधायक गौरव पारधी



का आभार प्रकट किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष ज्ञानेश रहांगडाले, देवराज कोल्हे, अनिल कुर्वे, तेजलाल चौधरी, अजय मेश्राम, अनिल गौतम, थानसिंह गौतम, सरपंच डेविड मेश्राम सहित क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।